Dainik Bhaskar (Indore), 20th September 2026, Page - 05

आईईटी के 31 रिसर्च प्रोजेक्ट का रिव्यू: 25 करोड़ रु. के रिसर्च उपकरण आएंगे

आईआईटी के साथ प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है आईईटी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की एएनआरएफ-पेयर (सक्षम परियोजना) के अंतर्गत संचालित 31 रिसर्च प्रोजेक्ट का रिव्यू पूरा हो गया। इस रिव्यू में दो दिन तक एक-एक प्रोजेक्ट पर चर्चा की गई। इस स्पोक परफॉर्मेंस के दौरान आईईटी (इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) में कई बिंदुओं पर यह रिव्यू चला। इस योजना के जरिये यूनिवर्सिटी के आईटी सेंटर में 25 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक रिसर्च उपकरण खरीदे जाएंगे।

5 करोड़ लागत से आधुनिक एनएमआर मशीन (मटेरियल की प्रॉपर्टी निकालने के लिए) आ भी चुकी है। ये उपकरण न केवल महंगा है बल्कि साइंस व फॉर्मेसी छात्रों के लिए बेहद अहम है। इसका फायदा यूटीडी छात्रों के साथ पीएचडी स्कॉलर्स व फैकल्टी को भी मिलेगा। वैसे भी यूनिवर्सिटी में मल्टी सब्जेक्ट शोध को गति देने के लिए 26 जूनियर रिसर्च फेलो कार्यरत हैं। उन्हें इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। रिसर्च के लिए तैयारी होगी। आईआईटी इंदौर के साथ मिलकर आईईटी इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है।

ऐसे हुआ रिव्यू

रिव्यू के दौरान हेल्थ एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी, एनवायरमेंटल सस्टेनिबिलिटी एंड एनर्जी टेक्नोलॉजी तथा एडवांस्ड मटेरियल्स जैसे विषयों के रिसर्च प्रोजेक्ट को आगे ज्यादा प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इनके लिए नए अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जाएंगे। तय किया गया कि यूनिवर्सिटी के अलग-अलग टीचिंग विभागों के छात्रों के लिए एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, कैंसर ट्रीटमेंट, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन, वायु गुणवत्ता, ऊर्जा भंडारण, उन्नत पदार्थ, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन, माइक्रोप्लास्टिक मॉनिटरिंग जैसे विषयों पर भी आगे इन प्रोजेक्ट के जरिये काम होगा। रिव्यू बैठक के दौरान आईआईटी इंदौर के तीनों डॉ. देबायन सरकार, डॉ. हेमचंद्र झा तथा डॉ. शैलेश कुंडलवाल उपस्थित रहे। डीएवीवी की तरफ से कुलपति डॉ. राकेश सिंघई, आईईटी के डायरेक्टर डॉ. प्रतोष बंसल व अन्य प्रोफेसर मौजूद रहे।

अब यह होगा- रिव्यू के आधार पर अब बायोचार एवं बायोमास आधारित प्रौद्योगिकी से जुड़ी परियोजनाओं पर आगे ज्यादा वर्क होगा।